DATE :- 01-12-2025
DAINIK BHASKAR, PAGE-ii, SURAT

भास्कर एक्सक्लूसिव • ड्रीम सिटी में कंट्रोल रूम, प्रशासनिक भवन के साथ ऑटोमैटिक ट्रेन वॉशिंग सिस्टम भी तैयार

मेट्रो डिपो में ये काम होंगे

- मेट्रो ट्रेनों की ओवरहालिंग
- **अनशेड्यूल मेंटेनेंस**
- व्हील प्रोफाइलिंग जैसी सेवाएं।
- **मेट्रो ट्रेन के डिपो प्रोजेक्ट को 2022 में मिली थी काम की स्वीकृति, दो साल पहले काम शुरू किया गया था।**
- जून 2022 में टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई थी।
- **आईडीटी सिमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को 334.13 करोड़ रुपए का ठेका दिया गया था।**
- मेट्रो डिपो का निर्माण कार्य वर्ष 2023 की शुरुआत में शुरू किया गया था।
- **इस साल के अंत तक मेट्रो रेल के डिपो को पूरी तरह ऑपरेशनल करने की तैयारी है।**
- टीटागढ़ वैगन लिमिटेड को मेट्रो के लिए 3-3 कोच वाले 24 ट्रेन सेट्स का ऑर्डर दिया गया है।

मेट्रो के लिए ड्रीम सिटी डिपो तैयार... एक साथ 15 ट्रेनें खड़ी हो सकेंगी, ट्रायल रन भी सबसे पहले यहीं से होगा

डिपो में प्रारंभिक रूप से तीन कोच वाली मेट्रो ट्रेनों के रखरखाव की व्यवस्था की गई

लवकुश मिश्रा | सूरत

ड्रीम सिटी, खजोद में मेट्रो रेल का विशाल मेंटेनेंस डिपो लगभग तैयार हो चुका है। कुल 2,10,000 वर्गमीटर में फैले इस अत्याधुनिक डिपो में सूरत मेट्रो की ट्रेनों की वॉशिंग, निरीक्षण, मरम्मत और प्रोफाइलिंग जैसी तमाम हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) के अनुसार मेट्रो डिपो में सभी सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं और पेंटिंग, सिस्टम इंस्टॉलेशन जैसे अंतिम चरण के कार्य जारी हैं। ड्रीम सिटी मेट्रो डिपो में कुल 12 स्टेब्लिंग पार्किंग लाइनें तैयार की जा चुकी हैं, जिन पर सूरत मेट्रो के रेक पार्क किए जाएंगे। डिपो में कुल 15 ट्रेनें पार्क की जा सकेंगी। इनमें प्रारंभिक रूप से तीन कोच वाली मेट्रो ट्रेनों के रखरखाव की व्यवस्था की गई है। भविष्य में जैसे-जैसे सूरत मेट्रो रेल नेटवर्क का विस्तार होगा, इन लाइनों का उपयोग मेट्रो फ्लीट बढ़ाने के लिए होगा। इस मेट्रो डिपो का निर्माण सूरत मेट्रो की लाइन-1 में लगभग 346 करोड़ से किया जा रहा है। बता दें कि अगले साल मेट्रो रेल का ट्रायल भी यहीं से किया जाएगा।

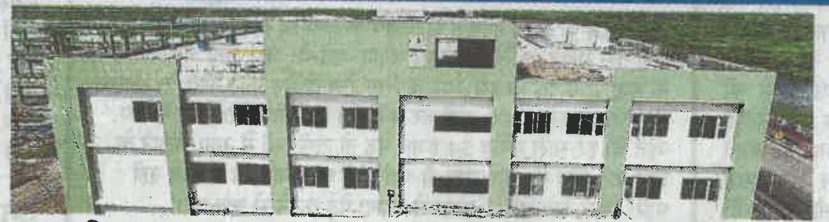

प्रशासनिक भवन तैयार, इसमें सिस्टम इंस्टॉलेशन का काम अंतिम चरण में है

ड्रीम सिटी मेट्रो डिपो परिसर में बने प्रशासनिक भवन पूरी तरह से तैयार हो गया है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार बिल्डिंग में सिस्टम इंस्टॉलेशन कार्य अंतिम चरण में है। इसमें आधुनिक ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) की स्थापना की जा रही है, जहां एक ही जगह से सूरत मेट्रो लाइन-1 और लाइन-2 की मॉनिटरिंग की जाएगी। ओसीसी में 12.4 मीटर लंबी और 3 मीटर ऊंची दो बड़ी मॉनिटर स्क्रीन लगाई जा रही हैं, जिन पर दोनों कॉरिडोर की सिग्नलिंग और ट्रेनों की वास्तविक समय निगरानी की जाएगी।

ऑटोमैटिक ट्रेन वॉशिंग सिस्टम और अत्याधुनिक CCTV सर्विलांस रूम से होगी डिपो की निगरानी

डिपो में दो वॉशिंग लाइन और एक हैवी क्लीनिंग लाइन का काम पहले ही पूरा हो चुका है। यहां ऑटोमैटिक ट्रेन वॉशिंग सिस्टम लगाया जा रहा है, जिससे ट्रेनों की सफाई बिना मैनुअल हस्तक्षेप के कुछ ही मिनटों में हो सकेगी। साथ ही, पूरे डिपो परिसर की निगरानी के लिए अत्याधुनिक सीसीटीवी सर्विलांस रूम तैयार किया गया है, जिसमें 7.7 मीटर लंबी और 1.7 मीटर ऊंची स्क्रीन लगाई जाएगी। जीएआरसी के अधिकारियों के अनुसार अब तक डिपो के सभी सब-कंस्ट्रक्शन कार्य, बाउंड्री वॉल और 98% सॉइल फिलिंग का काम पूरा किया जा चुका है। वहीं वॉशिंग लाइन, कंट्रोल टॉवर और डिपो स्टोर का सुपर स्ट्रक्चर कार्य भी पूरा होने की कगार पर है। प्रशासनिक भवन में 6.2 मीटर लंबी ट्रैक्शन मॉनिटरिंग स्क्रीन लगाई जा रही है।

मेट्रो डिपो से जल्द ही ट्रायल रन शुरू होने की उम्मीद

सूरत मेट्रो रेल के अधिकारियों का कहना है कि डिपो के सभी प्रमुख निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं। सिस्टम इंस्टॉलेशन पूरा होते ही यहां से ट्रायल रन शुरू करने की तैयारी की जाएगी। यह डिपो न केवल सूरत मेट्रो लाइन-1 की ट्रेनों का हब बनेगा, बल्कि भविष्य की लाइन-2 के रोलिंग स्टॉक को भी सपोर्ट करेगा। दो साल पहले शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है।